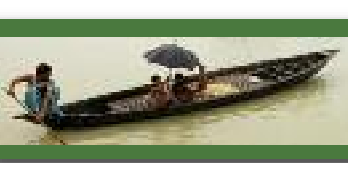
किओ त बबलूक आवाज सूनू
मैथिली में पहिल इ-पेपर
बांध बंधबा स नफा कम घाटा बेसी भेल
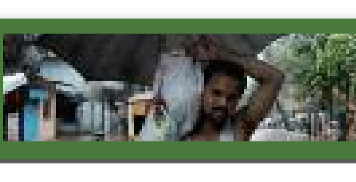

समाद

- पटना, 30 अगस्त,2008
- साप्ताहिक
- अंक- 9
- साल-1
- इनटरनेट संस्करण

शोक स शोकाकुल बिहार

बिहार एक बेर फेर शोक स शोकाकुल अछि। बिहारक शोक कोसी 1922क बाद पहिल बेर अपन विकराल रूप स इ साबित करि देलक जे प्रकृति स लड़बाक ताकत ककरो मे नहि अछि। 12 जिलाक करीब नौ सौ गाम बाढ़क कहर अछि आओर करीब 30 लाख लोक एहि स प्रभावित छथि। राज्य सरकार मधेपुरा सहित सुपौल आ सहरसाक लोक स जिला खाली करबाक अपील केलक अछि। हिनका सब लेल राज्य सरकार राहत शिविरक व्यवस्था केलक अछि। सरकारक कहब अछि जे कोसी नदीक रास्ता बदलबा स एहि इलाका मे प्रलय एहन आओर बढ़त, किएक कि नेपाल एहन आओर पाइन छोड़ि सकैत अछि। नेपाल मे बांध टूटलाक बाद कोसी नदी ओहि ठाम स बहि रहल अछि जाहि ठाम 1922 मे बहैत छल। इ इलाका वर्तमान धारा स लगभग सौ किमी दूर अछि। एहि इलाकाक लोक बाढ़ लेल तैयार नहि छलाह। कोसी पर बांधक निर्माणक बाद एहि इलाका मे बाढ़ नहि आइल छल। एहि कारण एहि बेर नुकसान बेसी भेल। लाखों लोकक जिंदगी दांव पर लागल अछि। केंद्र बिहारक एहि संकट पर पसीजल अछि आओर प्रधानमंत्री एकरा राष्ट्रीय आपदा घोषित करैत एक हजार करोड़ टका आओर एक लाख पचीस हजार टन अनाज देबाक एलान करि पुरजोर ढंग स इ जतेबाक कोशिश केलाह अछि जे एहि तबाहीक बेला मे देश बिहारक संग अछि। हालांकि राज्य सरकार आओर सेना दूनू राहत आ बचावक काज मे पसीना बहा रहल अछि, मुदा संकट जेतेक पैघ अछि ओकरा स निबटबा लेल जहि स्तर पर आओर जे संसाधन चाहि ओ एहनो बिहार मे उपलब्ध नहि अछि। नाव आओर मोटरबोट स ल के रसद आओर टेंट तक क कमी एहि सकंट के आओर गंभीर बना रहल अछि। मुदा एकटा नीक गप इ अछि जे एहि बेर दिल्ली पटनाक संग कोनो दलीय राजनीति आ पूर्वग्रह स मुक्त भ ठाड़ अछि। जेकर प्रमाण इ अछि जे लालू, रामविलास आ नीतीश एक सुर मे प्रधानमंत्री आओर यूपीए अध्यक्ष सोनिया गांधी स राहत मंगलथि। दरअसल इ तीनू नेता अगर एहि समस्याक प्रति गंभीर भ किछु प्रयास करथि त बाढ़क निराकरण असंभव नहि अछि। ओना पिछला पचास साल मे इ स्पष्ट भ चुकल जे बांध, एहि समस्याक निराकरण मे बाधक अछि। एहि बेर 'बलुआ' सेहो डूबल, जेकरा बचेबा लेल जबर्दस्ती बांध बांधल गेल।

11 जिलाक 30 लाख लोक प्रभावित

ओना त समस्त उत्तर बिहार मे बाढ़िक प्रकोट अछि, मुदा, एहि साल कोसीक प्रलय स मुख्य रूप स सुपौल, अररिया, मधेपुरा, पूर्णिया आओर कटिहार जिला बेसी प्रभावित अछि। कुल 11 जिलाक लगभग 30 लाख लोक बाढ़ स प्रभावित छथि। एहि मे स मात्र एक लाख बीस हजार लोकवेद सुरक्षित स्थान पर पहुंच सकला अछि। बाकी आनल जा रहल छथि। सबस बेसी प्रभावित मधेपुरा जिला मे लगभग पचास हजार लोकवेदक एखन धरि कोनो समाचार प्राप्त नहि भ सकल अछि। लगभग 300 गाम एहन अछि, जतय धरि एखन तक नाव नहि पहुंच सकल अछि। धाराक वेग एतेक तेज अछि जे ओहि मे नाव खेबब मुश्किल अछि। ओना हेलिकॉप्टर स ओहि गामक हालातक पता लगाउल जा रहल अछि।

102 टा राहत शिविर, 53 टा स्वास्थ जांच केंद्र, मवेशीक लेल 57 पशु केंद्र खोलल गेल अछि।

सेनाक आठ टा टुकड़ी, राज्य पुलिसक 750 अधिकारी, जिला सैन्य बलक 2440 जवान, सैप आ बिहार सैन्स पुलिसक 900-900 जवान, बिहार सैन्स पुलिसक 800 अधिकारी आओर कर्मचारी सहित होमगोर्डक जवान राहत मे लागल अछि।

120 किमी कोसी पश्चिम स पूर्व दिस खिसकि गेल अछि। कोसीक धार लगभग 13 किमी चौड़ा भ गेल अछि। 100 वर्ग किमीक क्षेत्र बाढ़ मे डूबि चुकल अछि। 417 गामक 40 लाख लोक एहि स पीड़ित छथि।

सेनाक आठ टा टुकड़ी, राज्य पुलिसक 750 अधिकारी, जिला सैन्य बलक 2440 जवान, सैप आ बिहार सैन्स पुलिसक 900-900 जवान, बिहार सैन्स पुलिसक 800 अधिकारी आओर कर्मचारी सहित होमगोर्डक जवान राहत मे लागल अछि।

बिहारक सांसद आ विधायक अपन एक महिनाक दरमाहा राहत कोष मे देलथि अछि। रेलवेक कर्मचारी लोकनि अपन दरमाहा मद स 90 करोड़ टका राहत कोष मे दान देलथि अछि। पंजाब सरकार एक लाख टन पशुचारा देलक अछि।

मददक लेल पहिल बेर विदेशक हाथ बढ़ल। अमेरिका एक लाख पचास हजार डॉलर आओर इंग्लैड एक लाख पाउंड बिहार बाढ़ राहत कोष मे दान देलक अछि। पैघ पैमाना पर प्रवासी बिहारी आओर प्रवासी भारतीय लोकनि सेहो मदद लेल सामने आबि रहल छथि

परिवर्तन प्रकृतिक नियम अछि। ककरो चाहला स नियम नहि बदलैत अछि। आगू बढ़बा लेल नव बाट ताकय पड़त

इ सामान्य बाढ़ नहि छी। इ महा प्रलय छी।जेकरा स जे संभव भ सकै, बिहारक मदद क सामने आउ

नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री

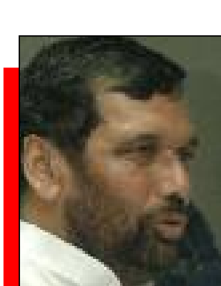

एहन बाढ़ नहि देखल। इ त महा प्रलय छी। राज्य सरकार राहत मे आओर तेजी आनय। केंद्र स एहि बेर जे भेटल ओ खर्च हेबाक चाही।

रामविलास पासवान

बिहारक संग पूरा देश अछि। इ देशक संकट अछि। राज्य जे मंगलक देलहूं अछि। जरूरत पड़त त आओर देब।

मनमोहन सिंह

बिहार मे एहन बाढ़ पहिने नहि आइल छल। केंद्र स मदद दियेबा मे पाछू नहि रहब। रेलवे राहत कार्य मे तत्पर अछि। बस राज्य सरकार खर्च करबा मे उदारता बरतय।

लालू प्रसाद

समाद — कुमुद सिंह

एकटा गलत फैसला

नदी पर बांध बंधबा स नफा कम घाटा बेसी भेल

बिहारक शोक कोसी आइ अपन रुद्र रूप देखा रहल अछि। एहन रूपक कल्पना ककरो नहि छल। आशंका जरूर जताउल गेल छल, जखन कोसी सन नदी पर बांध बंधबा लेल प्रयास शुरू भेल छल। दुनिया मे पैघ बांध बनेबाक विशेषज्ञता रखनिहार रूसक अभियंता कोसी पर बांध बंधबाक खिलाफ छलाह। ओ एहि नदी क प्रकृति देखि स्पष्ट कहने छथि जे एहि पर बांध इलाका लेल आत्महत्या होइत। एकर बावजूद कोसी पर बांध बनल। रूसक अभियंताक सबटा आपत्ति हमर देशक अभियंता चुटकी मे खत्म करि देलथि। कोसी सामान्य नदी नहि अछि। इ अपन धारा त बदलैते अछि, संग-संग एकरा मे बालूक मात्रा सामान्य नदी स 40 फीसदी अधिक अछि। अर्थात एकर पाइन मे 80 फीसदी तक बालू होइत अछि। एहन मे एकरा पर बांध बांधला स एकर तलहटी ऊपर उठि जाइत आ नदी गाम आ शहरक स्तर स ऊपर बहय लागत। मुदा एकर निराकरणक तर्क देल गेल जे सब साल नदीक तलहटी स बालू निकालि लेब। तार्किक रूप स इ सही छल, मुदा व्यावहारिक रूप स इ सफल नहि भेल। सब साल बालू हटेबा लेल करोड़क करोड़ टका खर्च होइत रहल,मुदा एक गाड़ी बालू नदी स बाहर नहि निकालल गेल। पिछला पांच दशक मे नदीक तलहटी लगभग 40 फुट ऊपर आबि चुकल अछि। झंझारपुर स्टेशन त नदीक तलहटी स नीचा भ चुकल अछि। बांधक ऊंचाई बढ़ा स्थिति आओर विकट भ चुकल अछि।

बाढ़ प्रबंधण पर सरकारी संजीदगी क नमुना एहन अछि जे केंद्रीय जल संसाधन मंत्रालय 1992 मे उत्तर बिहार मे बाढ़ नियंत्रणक लेल एकटा समिति एनडीएफपीसी क गठन केलक। जलसंसाधन मंत्रालयक सचिव एहि समितिक पदेन अध्यक्ष छथि। समिति मे ग्रामीण विकास, कृषि, रेल आ गृह मंत्रायलक संग-संग बिहार सरकारक अधिकारी सेहो शामिल छथि। गंगा बाढ़ नियंत्रण आयोगक एक अधिकारीक कहब छैन जे पिछला 16 साल मे एहि समितिक मात्र 11 टा बैठक भ सकल अछि। एहि दौरान बाढ़ नियंत्रणक लेल छोट-पैघ सौ योजना बनाउल गेल, जाहि मे स मात्र 58 पर काज शुरू भ सकल अछि। अधिकारी आगू कहलथि जे एहि परियोजना लेल केंद्र सरकार टका मुहैया करबैत छल, मुदा राज्य सरकार पर लापरवाहीक आरोप लगा आवंटन रोकि देल गेल। ताहि दिन स परियोजना पर काज रुकल अछि। केंद्र सरकार 2005 मे मिनी रत्न कंपनी जल आ बिजली सलाहकार सेवा बेवकास लि. के बाढ़ नियंत्रणक जिम्मेदारी सौंपी देलक। पिछला तीन साल स इ कंपनी एकर मूल्यांकण पूरा नहि क सकल अछि आओर टका क अभाव मे परियोजना पर काज रुकल अछि।

भुगोल ऐना बदलि जाइत, इतिहास हरदम सचेत करैत छल, मुदा वर्तमान ओकर गप सुनवा लेल कहियो तैयार नहि भेल। ओ हरदम एकटा गलत फैसलाक समर्थन मे तर्क दैत रहल। कोसी नदीक पर बांध निर्माण 1955 क आसपास शुरू भेल। तहिया स आइ धरि कुल नौ बेर इ बांध टूटल अछि। संयोग एहन जे बनलाक मात्र आठ सालक बाद 1963 मे पहिल बेर इ बांध नेपालक डलवा मे टूटल। ओकर पांच साल बाद 1968 मे दभंगा मे आ ओकर तीन साल बाद बांध सुपौल मे टूटल। 1980, 84 आ 87 मे सहरसा लगातार तीन बेर कोसीक बांध टूटल। 1991 मे एकबेर फेर बांध नेपाल मे टूटल, मुदा 18 अगस्त एहि इलाका लेल एतिहासिक रहल। एहि साल कोसी क बांध नेपालक जहि हिस्सा मे टूटल, ओहि ठाम स ओ अपन बाट बदलि लेलक। लगभग 90 साल पुरान धार एक बेर फेर जाइग गेल। बांध अपन स्थान पर अछि, नदी गामक गाम बहा देलक। एहन नहि जे बांध पहिल बेर टूटल अछि आओर कोनो गाम पहिल बेर बहल अछि। मुदा एहि साल जे गाम डूबल ओ विशेष अछि। सुपौल आ सहरसा स लागल 'बलुआ' ललित नारायण मिश्रक गाम छैन। कोसी पर बांध भेलाक बाद एहि गाम मे बाढ़ नहि आइल छल। कोसी पर बांध बंधबा लेल ललित नारायण मिश्र काफी प्रयास केने रहथि। हुनक भाई जगन्नाथ मिश्र राज्यक तीन बेर मुख्यमंत्री बनलाह आ ललित बाबूक भातिज आ जगन्नाथ मिश्रक पुत्र नीतीश मिश्र बाढ़ राहत विभागक राज्य मंत्री छथि। मुदा एहि बेर हुनक गाम डूबि गेल। बलुआ स संपर्क टूटल अछि। दर्जनो परिवारक संबंध मे कोनो जानकारी नहि अछि। झंझारपुर एहि बेर नहि डूबल। झंझारपुर आ बलुआक संबंध बिहारक राजनीति मे सहोदर सन अछि। झंझारपुर ओ इलाका छी, जे पिछला पचास साल स लगातार बाढ़ झेल रहल अछि आ बलुआ बांध निर्माणक बाद बाढ़ स मुक्त भ गेल छल। संयोग स झंझारपुर जगन्नाथ मिश्र आओर आब नीतीश मिश्रक विधानसभा क्षेत्र अछि जखन कि बलुआ हिनक गाम थिक।

पिछला पचास साल स किछु नहि बदलल। सरकार, नेता आ जनता सब शिथिल भ गेल छल। सब साल एकहि राग सुनबा मे अबैत छल। अंतहीन विपत्तिक निराकरणक जिम्मा उठेबा लेल कोई तैयार नहि छल। एहन मे एक बेर फेर कोसी माई परिवर्तक सूत्रपात केलथि अछि। कोसीक धार ओ परिवर्तन द्योतक छी, जेकर बाट पिछला पचास साल स मिथिला ताकि रहल अछि। कोसी अपन 90 साल पुरान धार मे लौउट गेल। कोसी ई संदेश द रहल अछि, जे किछु स्थाई नहि होइत अछि। सब किछु बदलल जा सकैत अछि। एक टा फैसला कोसी सेहो लेने छल, मुदा अपन पुरान धार पर लौटबाक फैसला सेहो ओकरे अछि। जाहि जिला मे कोसी बहैत छल आइ ओ कोसी विहीन अछि। जहि ठाम कोसी इतिहास भ चुकल छल ओ आइ कोसीक प्रकोप झेल रहल अछि।

पचास सालक अनुभव स आब इ सिद्ध भ गेल जे कोसी के बांधब संभव नहि अछि। बिहार मे नदीक प्राकृतिक प्रवाह के अवरोध मुक्त केने बिना बाढ़क कहर स नहि बचल जा सकैत अछि। इ एकमात्र एकर स्थाई निदान अछि।

केना नहि देता मनमोहन : जखन बिहार लेल लालू आ नीतीश एक सुर मे मांग रखताह, त जे मांगब ताहि स बेसी भेटत

इ पलायन नहि थीक : नीतीशक अपील पर तीन जिलाक लोक सुरक्षित स्थान दिस विदा भ गेल अछि।

किओ त बबलूक आवाज सूनू

बाढ़ स ग्रस्त चारि जिला मधेपुरा, सुपौल, अररिया आओर सहरसा क अनेक एहन गाम अछि जेकर संबंध मे शनि दिन धरि कोनो सूचना नहि अछि। ओहि गामक लोक क जीवनक आस क्षीण भेल जा रहल अछि। किछु खुशकिस्मत लोक छथि जे अपन व्यथा सुनेबा लेल जीवित छथि। एहि जिला मे हजारो एहन परिवार अछि, जेकरा तक कोनो नाव नहि पहुंच सकल अछि आओर बहुत त कोसीक तांडव मे अपन जीवनक आस छोड़ि चुकल छथि। एहने एकटा परिवारक सदस्य छथि बबलू। जिनकर मोबाइल आब बंद अछि। मोबाइल बंद भेला स पूर्व हुनक अंतिम शब्द छल, हम्मर आवाज किओ नहि सुनैत अछि। बबलू असगर नहि छथि हजारो एहन परिवार अछि जेकर आवाज पिछला सात दिन स किओ नहि सुनि सकल अछि। भूख-प्यास स डटपटाइत नैना-बुच्ची क आवाज मध्यम भ चुकल अछि। बुआसिनक नोर सूखा चुकल अछि। बचल अछि त बस दाई क सांस, जे कहि रहल अछि एखन जिनगी मौत स लड़ि रहल अछि।

बबलुक अनुसार हुनक बचबाक संभावना आब बहुत कम अछि। सुपौलक एकटा छोट सन गाम मे अपन मकानक छत पर पिछला सात दिन स बबलू एकटा नावक बाट ताकि रहल छथि। आइ हुनका लग कोनो खाद्य सामग्री नहि अछि। बाढ़ जल स सबटा कर्म करैत छथि। हुनक अंतिम आस मोबाइल सेहो आइ बंद भ गेल। एहि गाम मे पिछला 10 दिन स बिजली नहि अछि। बबलू अपन मोटर साइकिल स्टाट करि कोनाहू मोबाइल चार्ज करैत छलाह। आइ मोटरसाइकिलक पेट्रोल सेहो खत्म भ गेल। एहि कारण बबलू स मोबाइल पर गप होइत काल संपर्क टूटि गेल। हुनका इ आशंका छलैन जे हमरा स हुनक अंतिम बेर गप भ रहल अछि। ताहि लेल ओ कहला जे हुनकर बचबाक संभावना बहुत कम भ गेल अछि। मोबाइल पर हुनक इ अंतिम संदेश छी। संपर्क टूटबाक आशंका स ओ अपन धर्य गवां चुकल छलाह। बबलू आओर हुनक परिवारक सदस्य एक सप्ताह स सुपौल जिलाक छातापुर गाम मे अपन मकानक छत पर रहि रहल छथि। बबलु कहला जे जखन कोनो नाव हुनका देखाइत छैन त ओ अपन पूरा ताकत स ओकरा अपन मकान दिस बजेबाक प्रयास करैत छथि, मुदा हुनक आवाज ओहि ठाम तक नहि जाइत अछि। बबलू कहैत छथि जे हुनका तक कोनो राहत नहि पहुंच सकल अछि। ओ आकाश मे उड़ैत हेलिकॉप्टरक आस मे दिन कटैत छथि।

बबलू क घर पक्काक अछि, मुदा इलाका मे अनेक एहन बबलू छथि जे चार पर बैसल छथि। ऊपर स बरखा भ रहल छैक, जिनगी हर क्षण परीक्षा ल रहल छैक। अपन जान बचेबा लेल किओ सांपक संग चार पर बैसल अछि ज किओ बिजलीक तार स चारि घंटा तक लटकि के जीवन आओर मौतक बीच संघर्ष करैत अछि। इ देवी कृपा अछि जे सांप दोसर दिस ससरि जाइत अछि आओर बिजलीक तार छोड़लाक किछु मिनटक बाद ओहि मे करंट प्रवाहित भ जाइत अछि।

कोसी नदीक ऊफान मारैत पाइनक बहाव क बीच फसल सुपौल जिलाक वीरपुरक निवासी राधाकांत झा आओर हुनक पुत्र आशीष आ दिनेश स्वंय के बचेबा लेल पहिने केराक थमक एकटा नाव बना ओकरा संग कोनाओ सुरक्षित स्थान पर पहुंचबा लेल प्रयास केलथि, मुदा पाइनक तेज बहाव स नाव बहि गेल। नाव बहलाक बाद तीनू गोटे लग स जाइत बिजलीक तार कहुना पकड़ि लेलथि। तीनू गोटे ओहि तार पर लगभग चारि घंटा तक झुलैत रहला। इ सब बचाव लेल लग स जाइत नाव स आग्रह करैत रहला,मुदा अधिकतर नाव क्षमता स बेसी भरल छल, जाहि स हिनका लोकनि लेल ओहि पर जगह नहि भ सकल। समयक संग-संग हिनकर आवाज सेहो कम होइत गेल आ तीनू गोटे अपन जिनगी बचबाक उम्मीद छोड़ि देने छलाह, एहि बीच भारतीय सेनाक जवान हिनका लग पहुंचल आ अपन नाव मे जगह देलक। ऐना तीनू गोटेक जान बचल। संयोग छल जे हिनकर परिवारक अन्य सदस्य प्रलय स पूर्व घर छोड़ि सुरक्षित स्थान पहुंच गेल छल। थकल आओर भरल आवाज स दिनेश भगवानक शुक्र मनबैत कहैत छथि जे इ हुनका लेल पुनरजन्म थीक। दिनेश आ हुनकर परिवाक सदस्य ओहि खुशकिस्मत लोक मे छथि जे अपन व्यथा सुनेबा लेल जीवित छथि। एहि जिला मे हजारो एहन लोक अछि, जेकरा तक कोनो नाव नहि पहुंच सकल अछि आओर बहुत त कोसीक तांडव मे अपन जीवन गवां चुकला अछि।